

श्रीः  
श्रीमते रामानुजाय नमः  
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

बलिराजेन्द्रेणोक्तं  
॥ श्री हरिनाममालास्तोत्रम् ॥

*This document has been prepared by*

*Sunder Kidāmbi*

*with the blessings of*

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

*His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam*

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

## ॥ श्री हरिनाममालास्तोत्रम् ॥

गोरिन्दं गोकुलानन्दं गोपालं गोपिरत्नम्।  
गोवर्धनोद्धरं धीरं तं वन्दे गोमतीप्रियम् ॥ 1 ॥

नारायणं निराकारं नररीरं नरोत्तमम्।  
नृसिंहं नागनाथं च तं वन्दे नरकान्तकम् ॥ 2 ॥

पीताम्बरं पद्मनाभं पद्माक्षं पुरुषोत्तमम्।  
परित्रेण परमानन्दं तं वन्दे परमेश्वरम् ॥ 3 ॥

राघवं रामचन्द्रं च रावणारिं रमापतिम्।  
राजीवलोचनं रामं तं वन्दे रघुनन्दनम् ॥ 4 ॥

रामनं विश्वरूपं च रासुदेवं च रिठ्ठलम्।  
विश्वेश्वरं विभुं व्यासं तं वन्दे वेदरत्नम् ॥ 5 ॥

दामोदरं दिव्यसिंहं दयालुं दीननाथकम्।  
दैत्यारिं देवदेवेशं तं वन्दे देवकीसुतम् ॥ 6 ॥

मुरारिं माधवं मत्स्यं मुकुन्दं मुष्टिमर्दनम्।  
मुञ्जकेशं महाबाहुं तं वन्दे मधुसूदनम् ॥ 7 ॥

केशवं कमलाकान्तं कामेशं कौस्तुभप्रियम्।  
कौमोदकीधरं कृष्णं तं वन्दे कौरवान्तकम् ॥ 8 ॥

भूधरं भूरानन्दं भूतेशं भूतनाथकम्।  
भारनैकं भुजङ्गेशं तं वन्दे भरनाशनम् ॥ 9 ॥

জনার্দনং জগন্নাথং জগজ্জাদ্যরিনাশকম্।  
জামদগ্ন্যং ররং জ্যোতিস্তং রন্দে জলশায়িনম্ ॥ 10 ॥

চতুর্ভুজং চিদানন্দং চাগুরমল্লমর্দনম্।  
চরাচরগতং দেৱং তং রন্দে চক্রপাণিনম্ ॥ 11 ॥

শ্রিয়ংকরং শ্রিয়োনাথং শ্রীধরং শ্রীররপ্রদম্।  
শ্রীরৎসলধরং সৌম্যং তং রন্দে শ্রীসুরেশ্বরম্ ॥ 12 ॥

যোগীশ্বরং যজ্ঞপতিং যশোদানন্দদায়কম্।  
যমুনাভলকল্লোলং তং রন্দে যদুনাযকম্ ॥ 13 ॥

শালগ্রামশিলাশুদ্ধং শঙ্খচক্রোপশোভিতম্।  
সুরাসুরৈস্সদা সের্যং তং রন্দে সাধুরল্লভম্ ॥ 14 ॥

ত্রিরিক্রমং তপোমূর্তিং ত্রিবিধাঘৌঘনাশনম্।  
ত্রিস্থলং তীর্থরাজেন্দ্রং তং রন্দে তুলসীপ্রিয়ম্ ॥ 15 ॥

অনন্তমাদিপুরুষমচ্যুতং চ ররপ্রদম্।  
আনন্দং চ সদানন্দং তং রন্দে চাঘনাশনম্ ॥ 16 ॥

লীলযা ধৃতভূভারং লোকসত্ত্বৈকরন্দিতম্।  
লোকেশ্বরং চ শ্রীকান্তং তং রন্দে লক্ষ্মণপ্রিয়ম্ ॥ 17 ॥

হরিং চ হরিণাক্ষং চ হরিনাথং হরিপ্রিয়ম্।  
হলাযুধসহায়ং চ তং রন্দে হনুমৎপতিম্ ॥ 18 ॥

হরিনামকৃতামালা পরিত্রা পাপনাশিনী।  
বলিরাজেন্দ্রেণ চোক্তা কণ্ঠে ধার্যা প্রযত্নতঃ ॥ 19 ॥

॥ শ্রী হরিনামমালাস্তোত্রং সমাপ্তম্ ॥